शाकाहार और हम

जैन धर्म में अहिंसा का बहुत महत्व है। जैन धर्म के आचार्य अपने सभी अनुयायियों को अहिंसा के मार्ग पर चलने को प्रेरित करते है और जब बात अहिंसा की आती है तो शाकाहार उससे अपने आप जुड़ जाता है। शाकाहार और माँसाहार खान पान की दो अलग विधा है। आज पाश्चात्य की अंधी दौड़ में कौन शाकाहारी और कौन माँसाहारी है यह कहना मुश्किल हो गया है क्योंकि अब ये खानपान किसी जाति विशेष का नहीं रह गया है। पहले जैन होने का मतलब शाकाहारी होना था लेकिन अब इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि जैन हो तो शाकाहारी ही होगा।

इसी संदर्भ मे मैं एक घटना का उल्लेख करना चाहूँगा मेरे एक मित्र है जो जैन नहीं है। वो कैंसर जैसी घातक बीमारी से ग्रसित हो गये थे और प्रथम चरण में ही उनकी बीमारी पकड़ में आ गई थी तथा उनका इलाज टाटा कैंसर इंस्टीट्यूट मुंबई में चल रहा था। वहां के डाक्टर्स ने उन्हें इस रोग से बचने के लिए मछली का सेवन करने की सलाह दी। चूंकि मेरे मित्र पूरी तरह से शाकाहारी थे तो उन्होंने माँसाहार सेवन करने से इन्कार कर दिया तथा कहा कि मैं मरते मर जाऊंगा पर उसका सेवन नहीं करुंगा और अपने निर्णय पर अडिग रहे। जब वह इलाज कराके अपने घर वापिस आये तो घर वालों ने भी उनके इस निर्णय का समर्थन किया और कहा कि बेटा तूने बिलकुल ठीक किया। आज मेरे मित्र बगैर माँसाहार के पूर्ण स्वस्थ हैं तथा कैंसर जैसी बीमारी से निजात पा गये है। मैं अपने मित्र के उसे ज़ज्बे को सलाम करता हूँ तथा माँसाहार प्रेमियों को नसीहत देता हूँ बगैर माँसाहार के जीवन जिया जा सकता है और शाकाहारी होने के लिए जैन होना अनिवार्य नहीं है। और जो जैन भाई शाकाहार से दूर जा रहे है उन्हें माँसाहार अपनाने से पहले मेरे उक्त मित्र को जरुर याद कर लेना चाहिए। आशा है जो जैन बंधु पथ भ्रष्ट हो गये उक्त घटना से प्रेरणा लेकर जरुर सबक लेंगे और पूर्ण शाकाहार को अपनायेंगे।

– रवीन्द्रकुमार जैन, झांसी

।। सादर श्रद्धांजली ।।

श्रीमती मंजू धर्मपत्नी श्री निर्मलकुमारजी जैन, भोपाल का देहावसान कनाड़ा में 13 नवम्बर 2014 को हो गया। वे वहां अपने सुपुत्र के यहां रहने वाली गयी थी। वे अत्यंत हंसमुख और मिलनसार थी।

श्री अजितकुमारजी सुपुत्र स्व. श्री कमलचंदजी जैन पानवाले, विदिशा का 8 दिसम्बर 2014 को निधन हो गया। आप धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सदैव सक्रिय रहते थे।

श्री अंकित (लक्की) पिता श्री अशोक कुमार जैन का स्वर्गवास 14 दिसम्बर 2014 को ललितपुर में हो गया।

जैन समाज के प्रसिद्ध विधानाचार्य, प्रतिष्ठाचार्य व वाणी भूषण **पं. बच्चूलालजी जैन** का स्वर्गवास 92 वर्ष की उम्र में कानपुर में दि. 20 दिसम्बर 201 को हो गया। आपका जन्म नोंहरकलां (ललितपुर) में हुआ परन्तु आप पूर्वांचल के प्रतिष्ठित विद्वान बन गए। कानपुर को अपने अपनी कर्मभूमि बनाया। समता, समन्वय और संबंध लेकर चलने का अद्भुत गुण था।

श्रीमती सुधा धर्मपत्नी श्री रमेशचंदजी जैन का स्वर्गवास दि. 21 दिसम्बर 2014 को विदिशा में हो गया।

श्री विजयकुमार जैन (रामचन्द्र नगर) का स्वर्गवास दिनांक 5 जनवरी 2015 को इन्दौर में हो गया। आप सरल स्वभावी व्यक्तित्व के धनी थे। बैंक ऑफ इंडिया से सेवानिवृत्ति पश्चात वर्ष 2002 में न्यास गठन की प्रथम कार्यकारिणी में आपने सचिव का दायित्व संभाला था। उपाध्यक्ष पद के रुप में आपने अंतिम समय तक समाज गतिविधियों में अपना योगदान दिया। संपूर्ण भारत की गोलालारीय समाज की प्रथम साख संस्था में भी आप उपाध्यक्ष पद पर रहे है। सहयोगपूर्ण व्यवहार से आप समाज व मित्रजनों में काफी लोकप्रिय रहे। आपकी स्मृति में परिजनों द्वारा गोलालारीय समाज को 11000 रु. एवं गोलालरीय दर्शन परिवार को 2100 रु. की राशि दी।

श्री अनिल भंडारी, गंजबासौदा के सुपुत्र **श्री सिद्धार्थ जैन** का आकस्मिक निधन 7 जनवरी 2015 को हो गया।

श्री कैलाशचंदजी जैन (दैनिक विश्व परिवार) स्व. श्री राजेन्द्र जैन व डॉ. जिनेन्द्रकुमार जैन की माताजी **श्रीमती सोनादेवी** धर्मपत्नी स्व. श्री लक्ष्मीचन्द्रजी जैन का स्वर्गवास दि. 11 जनवरी 2015 को झांसी में हो गया। आप धर्म के प्रति विशेष रुचि रखती थी। मुनिसेवा एवं चौका लगाने का कोई भी अवसर आप नहीं चुकती थी।

श्री शिखरचंद जैन, गंजबासौदा के छोटे पुत्र **इंजी. मनोज जैन** का बीना–गुना रेलवे सेक्शन पर कार्य करते समय दुर्घटना में आकस्मिक निधन 11 जनवरी 2015 को हो गया। आप अत्यंत कर्मठ, मृदुभाषी एवं मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे।

श्री राजमल जैन (सिरसीवालों) का स्वर्गवास 17 जनवरी को विदिशा में हो गया है। आप सरल स्वभावी, धार्मिक व्यक्तित्व थे।

श्रीमती राजकुमारी धर्मपत्नी श्री ज्ञानचंदजी जैन नीमवाले का 26 जनवरी 2015 को ललितपुर में देहावसान हो गया। आप अत्यंत धार्मिक, सरल एवं मिलनसार स्वभाव की थी। अंतिम समय में भी पूर्ण चैतन्यता के साथ भगवद् शक्ति में लीन रहते हुए उन्होंने अपने प्राण त्यागे। आपकी स्मृति में परिजनों द्वारा 2100 रु. की राशि गोलालारीय दर्शन परिवार को प्रदान की।

श्री धन्नालालजी जैन (मंगोड़ीवालो) का स्वर्गवास दिनांक 27 जनवरी 2015 को ललितपुर में हो गया। आप लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे।

श्री सुरेशचंदजी जैन (आजाद नगर) की बहू **श्रीमती श्वेता** धर्मपत्नी श्री सुशील जैन का स्वर्गवास अल्पायु में दिनांक 30 जनवरी 2015 को हो गया है।

श्रीमती मेंदाबाई धर्मपत्नी स्व. श्री गणेशीलालजी जैन, गंजबासौदा का देहांत 3 फरवरी 2015 को हो गया। आप 95 वर्ष की थी।

श्रीमती सरोजदेवी धर्मपत्नी स्व.श्री मन्नूलाल जैन (ग्यारसपुरवाले)का स्वर्गवास दि. 7 फरवरी 2015 को हो गया।

श्री नरेन्द्रकुमार जैन (फूड ऑफिसर) का स्वर्गवास दि. 10 फरवरी 2015 को इन्दौर में हो गया। आपकी स्मृति में आपके परिजनों ने 11000 रु. की राशि गोलालारीय समाज न्यास व 2100 रु. राशि गोलालारीय दर्शन को प्रदान की।

इन्दौर समाज न्यासी श्री मुकेश कुमार जैन के पौत्र **मा. अक्ष** अंकुर जैन का स्वर्गवास दि. 18 फरवरी 2015 को इन्दौर में हो गया।

श्री उत्तमचंदजी जैन का स्वर्गवास दि. 19 फरवरी 2015 को पन्ना में हो गया। आप धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सदैव सक्रिय रहते थे।

श्री बाबूलालजी जैन (पिपरावालों) का स्वर्गवास दि. 20 फरवरी 2015 को ललितपुर में हो गया है।

दिवंगत समाजजनों को गोलालारीय दर्शन परिवार अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

पत्रिका में शोक समाचारों का निशुल्क प्रकाशन किया जाता है।
हमारा आपसे निवेदन है कि अपने परिजनों की स्मृति में पत्रिका को आर्थिक सहयोग करे।